कार्बाइड गन का निर्माण, क्रय, विक्रय व उपयोग प्रतिबंधित

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 23 अक्टूबर. ग्वालियर जिले में गैस लाइटर, प्लास्टिक पाइप और कैल्शियम कार्बाइड से बनी कार्बाइड गन तथा इसी प्रकार के अन्य खतरनाक उपकरणों के निर्माण, क्रय, विक्रय,

जिला दण्डाधिकारी ने धारा 163 के तहत जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

प्रदर्शन एवं इनके उपयोग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत इस आशय का प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

दीपावली के दौरान अवैध रूप से कार्बाइड गन का निर्माण, क्रय, विक्रय एवं उपयोग की घटनाओं से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आने पर आम नागरिकों के जान-माल, स्वास्थ्य व पर्यावरण की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला दण्डाधिकारी ने यह आदेश जारी किया है। आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के तहत दण्डनीय होगा।

ज्ञात हो कि दीपावली से पूर्व कलेक्टर श्रीमती चौहान द्वारा पटाखों के निर्माण, वितरण एवं प्रस्फोटन के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया(एसओपी) का पालन कराने के लिए स्पष्ट दिशा निर्देश (गाइडलाईन) जारी की गई थी। इसके बावजूद दीपावली पर्व पर गैस लाइटर, प्लास्टिक पाईप और कैल्शियम कार्बाइड से बनी कार्बाइड गन से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से प्रकाश में आए है। जिला दण्डाधिकारी ने इसे गंभीरता से लिया है और जिले में कार्बाइड गन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने आदेश में जिक्र किया है कि कार्बाइड गन में उपयोग होने वाला कार्बाइड व पानी का मिश्रण एसिटिलीन गैस उत्पन्न करता है, जो आँखों के साथ-साथ दिमाग एवं नर्वस सिस्टम के लिए घातक होता है। प्रदेश के अन्य जिलों में कार्बाइड गन से लोगों की आँखों को घातक नुकसान पहुँचने के समाचार सामने आए हैं। भविष्य में कार्बाइड गन का उपयोग विवाह समारोह एवं अन्य आयोजनों में किए जाने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया सकता। इसलिए कार्बाइड गन के निर्माण, क्रय, विक्रय, प्रदर्शन एवं इनके उपयोग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना जरूरी है।

सस्ती कैल्शियम कार्बाइड गन से 19 लोग घायल, आठ की आंखों का ऑपरेशन

ग्वालियर। ग्वालियर में दिवाली पर सस्ती कैल्शियम कार्बाइड गन से 19 लोग घायल होकर अलग अलग अस्पतालों में पहुंचे। इनमें आठ की आंखों का ऑपरेशन कर पटाखे के टुकड़े निकल गए हैं। दो युवकों की कार्निया सफेद हो गई है। एक मरीज को हालत गंभीर होने पर एम्स भोपाल भेजा गया है। यहां के अस्पतालों में कैल्शियम कार्बाइड गन से घायल हुए लोगों के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। स्वास्थ्य विभाग ने आंखों में जलन महसूस कर रहे लोगों से तत्काल अपने नजदीकी अस्पताल पहुंचकर तत्काल इलाज शुरू कराने को कहा है।

कार्बाइड गन के संबंध में यहाँ दे सूचना

अवैध रूप से कार्बाइड गन का निर्माण, क्रय, विक्रय एवं उपयोग की सूचना किसी व्यक्ति के पास हो तो वह यह सूचना तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम के फोन नं 0751-7049101029, 0751-2363636 व 0751-2445333 पर अवश्य दे। पुलिस अधीक्षक द्वारा ऐसी सूचनाओं के आधार पर प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन एवं संबंधित कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में ग्वालियर से तीन पदाधिकारी

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 23 अक्टूबर. भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है।

ग्वालियर से तीन पदाधिकारी बनाए गए हैं। डॉ आशीष अग्रवाल की मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी बरकरार रखी गई है। शैलेन्द्र बरुआ उपाध्यक्ष और लोकेन्द्र पाराशर प्रदेश मंत्री बनाये गए हैं. एक नाम सुरेन्द्र शर्मा क़ो लेकर सस्पेंस रहा कि वे ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक मालनपुर वाले है या मूल भाजपा वाले शिवपुरी के सुरेन्द्र शर्मा. भाजपा नेता अमित जादौन ने स्पष्ट किया है कि नयी कार्यकारिणी मे उपाध्यक्ष बनाये गए सुरेन्द्र शर्मा शिवपुरी वाले ही है. वे टीवी डिबेट मे अक्सर आते रहते है.

चार दिवसीय छठ महापर्व कल से, ग्वालियर के सरोवरों पर लगेंगे मेले

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 23 अक्टूबर. कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक मनाया जाने वाला चार दिवसीय छठ महापर्व इस बार 25 अक्टूबर से प्रारंभ होगा। महापर्व के पहले दिन 25 अक्टूबर शनिवार को नहाय-खाय और दूसरे दिन 26 अक्टूबर रविवार को खरना होगा। तीसरे दिन 27 अक्टूबर सोमवार की शाम को अस्ताचलगामी और चौथे दिन प्रात:काल 28 अक्टूबर मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया जाएगा। ग्वालियर में इस वर्ष भी तकरीबन दो दर्जन स्थानों पर निर्मित अस्थाई घाटों पर छठ व्रती छठ मइया और उनके सहोदर सूर्यदेव का आवाहन करेंगे। यह जानकारी तिरहुत जनकल्याण परिषद के महासचिव बच्चन बिहारी ने दी। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी छठव्रती सूर्योपासना कर सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य, संतान प्राप्ति और उनकी दीर्घायु की कामना करेंगे।ग्वालियर में मुख्य पूजा समारोह सावरकर सरोवर (कटोराताल) और दीनदयाल नगर में आयोजित किया जाता है। इसके अलावा बिरलानगर लाइन नंबर 10 से 13 क्वार्टर्स, 1 और 2 नंबर कॉलोनी, रेलवे कॉलोनी,गोले का मंदिर, हनुमान नगर, पिंटो पार्क पंप हाउस, जनता, नाका चंद्रबदनी, गुड़ीगुड़ा नाका, गदाईपुरा, मोतीझील, कंप्यूटर 13वीं बटालियन आदि अनेक स्थानों पर जनसहयोग के माध्यम से छठ महापर्व के आयोजन की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है।

इस बार नहाय-खाय 25 अक्टूबर शनिवार को मनाया जाएगा। इस दिन व्रती नदी या तालाब में स्नान करने के बाद शुद्ध और सात्विक भोजन ग्रहण करेंगे। दाल-भात लौकी की सब्जी या भात के साथ कद्दू की तरकारी और सरसों के साग का विशेष महत्व बताया गया है।

चलती कार में लगी भीषण आग से नेशनल हाइवे पर लगा लंबा जाम

नवभारत न्यूज

ग्वालियर/भिण्ड 23 अक्टूबर. भिंड जिले के गोहद चौराहा थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे-719 पर गुरुवार दोपहर लंबा जाम लग गया। चार घंटे तक चले इस जाम में सैकड़ों वाहन फंसे रहे। राहगीरों और यात्रियों को तेज धूप में घंटों परेशान होना पड़ा, वहीं पुलिस की देरी से पहुंचने के कारण स्थिति और बिगड़ गई।

गोहद चौराहा गुरुवार दोपहर करीब एक बजे से जाम की चपेट में आ गया। त्योहारी भीड़ और अव्यवस्थित ट्रैफिक के कारण भिंड रोड, ग्वालियर रोड, गोहद बाजार रोड और स्टेशन रोड पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। दोपहिया, चारपहिया, बसें और मालवाहक वाहन सभी फंस गए।

त्योहारी जल्दबाजी में कई वाहन चालकों ने गलत साइड से निकलने की कोशिश की, जिससे स्थिति और खराब हो गई। चार घंटे तक यातायात ठप रहा

हर त्योहार पर दोहराई जाती है यही समस्या- स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने बताया कि हर त्योहारी सीजन में गोहद चौराहा जाम का केंद्र बन जाता है। ट्रैफिक नियंत्रण के अभाव और पुलिस की लापरवाही के कारण लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर स्थायी ट्रैफिक व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

लोग बोले- टीआई की लापरवाही से बिगड़ी स्थिति

जब लोग जाम में फंसे हुए थे, उस दौरान पुलिस सड़क से नदारद रही। थाना प्रभारी मनीष धाकड़ करीब दो घंटे की देरी से मौके पर पहुंचे, तब तक स्थिति बेकाबू हो चुकी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर टीआई समय रहते फोर्स के साथ पहुंचकर ट्रैफिक व्यवस्था संभाल लेते, तो यह जाम जल्दी खुल सकता था। पुलिस की इस लापरवाही के कारण यात्रियों को घंटों परेशान रहना पड़ा।

विधायक ने मौके पर पहुंचकर संभाली स्थिति

जाम की गंभीरता को देखते हुए गोहद विधायक केशव देसाई स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक टीम के साथ मिलकर ट्रैफिक की स्थिति का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि ऐसे हालात दोबारा न बनें, इसके लिए चौराहे पर स्थायी ट्रैफिक सिग्नल, बैरिकेडिंग और रिफ्लेक्टर साइन सिस्टम लगाया. विधायक ने कहा कि ऐसे हालात दोबारा न बनें, इसके लिए चौराहे पर स्थायी ट्रैफिक सिग्नल, बैरिकेडिंग और रिफ्लेक्टर साइन सिस्टम लगाया जाए। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने विधायक की तत्परता की सराहना की।

दिवाली के बाद सोने-चांदी में आई गिरावट, अंचल का सराफा भी प्रभावित

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 23 अक्टूबर. ग्वालियर के सराफा में सोने-चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड हाई के बाद लगातार गिरावट जारी है. आज गुरुवार सुबह सोने-चांदी के दाम में हल ?की गिरावट देखने को मिली, क ?योंकि निवेशकों की नजर शुक्रवार को आने वाले अमेरिका के महंगाई सीपीआई पर है. इसके अलावा रिकॉर्ड हाई पर सोना-चांदी पहुंचने के बाद मुनाफा वसूली की लहर शुरू हुई है. मार्केट एक्सपर्ट यह भी मान रहे हैं कि फेड रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती होगी, जिसका भी असर गोल ?ड और सिल ?वर पर पड़ेगा. गोल ?ड सिल ?वर में गिरावट आ सकती है. रूस और यूक्रेन युद्ध के खत ?म होने के संकेत दिख रहे हैं और भारत के साथ अमेरिका की डील की उम्मीद भी बढ़ गई है. गुरुवार को कारोबार के शुरुआती दौर में हाजिर सोना लगभग 4,090 डॉलर प्रति औंस तक लुढ़क गया. पिछले दो सत्रों में यह धातु रिकॉर्ड ऊंचाई से लगभग 6 प्रतिशत गिर चुका है. हालांकि इस साल सोना अभी भी करीब 55 प्रतिशत ऊपर है. ग्वालियर सराफा में 24 कैरेट सोने का भाव कम होकर 1,25,890 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत घटकर 1,15,400 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई. 18 कैरेट सोने की कीमत 94,420 रुपये प्रति 10 ग्राम है. चांदी की कीमत में भी गिरावट आई और गुरुवार के शुरुआती कारोबार में भी नरमी दिखी. मुनाफा वसूली और कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते चांदी थोड़ी कम होकर 1,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ चुकी है.

पार्षद धर्मेंद्र किरण वर्मा ने लगाई अफसरों से गुहार

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 23 अक्टूबर. वार्ड 17 के पार्षद धर्मेंद्र किरण वर्मा ने नगर निगम कमिश्नर,महापौर शोभा सिंह सिकरवार से लगाई गुहार और बोले में आपको शहर की जटिल समस्या से अवगत कराना चाहता हूं कि तानसेन नगर वार्ड क्रमांक 13 और 14 के बीच में जो स्वर्ण रेखा नाला और एलीवेटर रोड का कार्य चल रहा है यह फोटो उसी जगह का हैं कई वर्षों से इसकी वजह से तानसेन नगर शिव शक्ति मंदिर वाली रोड पर जो सीवर चैंबर बने हुए हैं उन सभी सीवर चैंबरों को डामर रोड के द्वारा दवा दिए गए हैं कई समय से सफाई नहीं हुई स्वर्ण रेखा नाले के पास जो बड़ी लाइन के सीवर चेम्बर बने हुए थे उन सभी सीवर चैंबरों को जेसीबी मशीन के द्वारा तोड़ दिया गया आज नाले पर बने हुए सीवर चेम्बरों का पता नहीं इसलिए वार्ड क्रमांक 11 12 13 14 16 17 31 रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेलवे कॉलोनी के सभी जगह की बड़ी सीवर लाइन जाम चल रही है कई वर्षों से दो दिन चेम्बरों की सफाई होती है फिर भर जाते हैं इसका मुख्य कारण है कि एलीवेटर रोड स्वर्ण रेखा नाले के पास बने हुए सीवर चैंबर को तोड़ दिया गया है दवा दिया गया है जब तक इन चैंबरों को दोबारा से नहीं बनाया जाए सफाई नहीं होगी तब तक ऐसी दुर्दशा क्षेत्रीय जनता को भुगतना पड़ेगी इसलिए में महापौर, कमिश्नर , से निवेदन करना चाहता हूं कि अति शीघ्र स्वर्णरेखा नाला के पास जो सीवर चेम्बर थे उन्हें दोबारा से बनाया जाए पूरी बड़ी लाइन की सफाई करवाई जाए तभी क्षेत्रीय जनता को सीवर से निजात मिलेगी ।

सीएम हेल्प लाइन में लापरवाही बरतने पर 8 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 23 अक्टूबर. सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर निगमायुक्त श्री संघ प्रिय द्वारा 08 अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किये गये है।

नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के जारी आदेशानुसार सात विभागों अन्तर्गत प्राप्त होने वाली सीएम हेल्पलाइन का ओवर-ऑल वेटेज स्कोर 95 प्रतिशत से कम रहा। विशेषतौर से संतुष्टि के साथ बन्द शिकायतों के लिये निर्धारित वेटेज स्टोर 60 प्रतिशत से बहुत कम रहा, जिस कारण नगर निगम ग्वालियर की ओवर-ऑल ग्रेडिंग प्रभावित हुई है।

सीएम हेल्प लाईन पोर्टल पर जारी ग्रेडिंग अनुसार माह सितम्बर 2025 में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निराकरण संतुष्टिपूर्वक नहीं कराये जाने पर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी वैभव श्रीवास्तव, अधीक्षण यंत्री स्मार्ट सिटी सुबोध खरे, प्र.कार्यपालन यंत्री जनकाय सुशील कटारे, कार्यपालन यंत्री जलप्रदाय संजीव गुप्ता, सहायक यंत्री विघुत श्रीमती अभिलाषा बघेल, सहायक यंत्री विद्युत रामबाबू दिनकर, नोडल अधिकारी पार्क मुकेश बंसल एवं नोडल अधिकारी जनकल्याण श्रीमती पूर्वी अग्रवाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जबकि आयुक्त संघ प्रिय द्वारा अधिकारियों को प्रति सप्ताह आयोजित बैठकों में निर्देशित किया गया कि सीएम हैल्पलाईन पोर्टल के लेवल 1 एवं लेवल 2 स्तर पर शिकायतों को सन्तुष्टिपूर्वक बंद करावे, शिकायतों के निराकरण की मोनिटरिंग नियमित रूप से की जावे साथ ही हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतो के निराकरण के लिये रूची लेकर कार्य किया जाकर नियत समय सीमा में शिकायतों का निराकरण किया जावे।

यह कार्य सौंपे गए दायित्वों के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता, बरती प्रदर्शित कर रहा है, जो कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधान का स्टष्ट उल्लंघन एवं नियम 1966 के प्रावधान अन्तर्गत एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी जाने की कार्यवाही की जावे। इस संबध में अपना स्पष्टीकरण 27 अक्टूबर सायं 5.30 बजे तक प्रस्तुत करें।

आधुनिक विमानन की खोज : उप माहनिरीक्षक मोहनका की अंतर्दृष्टिपूर्ण नई पुस्तक

ग्वालियर 23 अक्टूबर. सीआईएसएफ के शिव कुमार मोहनका, उप महानिरीक्षक द्वारा लिखित Above and Beyond - E&ploring the Amazing World of Aviation नामक पुस्तक का आज इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू द्वारा विमोचन किया गया।

श्री मोहनका, जो स्वयं नागरिक उड्डयन सुरक्षा के अनुभवी हैं, ने तीन

एबोव एण्ड बेयोंड-ई एण्ड प्लोरिंग द अमेजिंग वर्ल्ड ऑफ एविएशन का विमोचन

दशकों से अधिक समय तक विमानन क्षेत्र में अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि को एकत्रित किया है, और यह पुस्तक विमानन में रुचि रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक जरूरी कहा जा सकता है। 445 पृष्ठों की यह पुस्तक तथ्यों और विचारों का एक आकर्षक संग्रह है, जो न केवल आपको उत्साहित करेगी बल्कि आपको यह सोचने पर भी मजबूर करेगी कि आप उड़ान के विभिन्न पहलुओं के बारे में कितना कम जानते हैं।

उदाहरण के लिए, क्या आप जानते हैं कि 35000 फीट की ऊंचाई पर हमारी स्वाद कलिकाएं अलग तरह से काम करती हैं और इसलिए यात्रियों के लिए पकाए गए भोजन को अनुकूल बनाने के लिए उसमें विशेष जड़ी-बूटियाँ और मसाले मिलाए जाते हैं। क्या आप जानते हैं कि बहुत जल्द ही हम ऊर्ध्वाधर उड़ान और लैंडिंग देखेंगे? क्या आप जानते हैं कि दिल्ली हवाई अड्डे का कोड DEL क्यों है जबकि चेन्नई का CHE नहीं बल्कि MAA है और ईटानगर का ITA नहीं बल्कि HGI है? गर्भावस्था या कुछ स्वास्थ्य स्थितियां आपके उड़ान अनुभव को कैसे प्रभावित करती हैं, या कौन से आसान तरीके हवाई यात्रा को आसान बना सकते हैं? Above and Beyond इन रोज़मर्रा के सवालों का जवाब समझदारी और मोहकता के साथ देता है - जिसमें श्री मोहनका की

सीआईएसएफ में तीन दशक लंबी सेवा से विमानन तथ्यों, व्यक्तिगत अनुभव और विशेषज्ञों की राय का मिश्रण है।

समारोह को संबोधित करते हुए, नागरिक उड्डयन मंत्री, राम मोहन नायडू ने कहा, यह पुस्तक भारत के विमानन क्षेत्र के एक विश्वकोश की तरह है, एक दुर्लभ और उल्लेखनीय उपलब्धि। यह मेरे लिए एक विशेष क्षण है, क्योंकि ऐसी पुस्तक मिलना असामान्य है जो विमानन के सभी आयामों को समेटे हुए हो, हवाई क्षेत्र से लेकर टर्मिनल और भूमि क्षेत्र तक। उप महानिरीक्षक मोहनका ने सोच-समझकर हर उस एजेंसी और व्यक्ति को शामिल किया है जो आज की विमानन सेवाओं को सफल बनाने में योगदान देते हैं। भारत सरकार के पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री, सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने भी इस कार्य की सराहना की.

यह पुस्तक हवाई यात्रा के ग्लैमर से परे जाकर यात्रियों के वास्तविक अनुभवों और मौजूदा चुनौतियों पर प्रकाश डालती है। 1,500 यात्रियों के सर्वेक्षण के आधार पर, लेखक ने सेवा में खामियों से लेकर बुनियादी ढाँचे की कमियों तक, कुल 262,बार-बार आने वाली समस्याओं की पहचान की है और साथ ही, इस बारे में नवीन सोच प्रदान की है कि भारत का विमानन पारिस्थितिकी तंत्र वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए कैसे और विकसित हो सकता है। Above and Beyond हवाई यात्रा के विकास का पता लगाता है - सीमित संपर्क के शुरुआती दिनों से लेकर आज के व्यापक कनेक्टिविटी के युग तक। यह दर्शाता है कि किस प्रकार सुरक्षा, स्थिरता और सेवा में हुई प्रगति ने हवाई यात्रा को लोकतांत्रिक बनाते हुए, कभी विलासिता मानी जाने वाली उड़ान को आज लाखों लोगों की जीवनरेखा में परिवर्तित कर दिया है।

अपने पेशेवर अनुभवों और व्यक्तिगत चिंतन के आधार पर, श्री मोहनका विमानन पारिस्थितिकी तंत्र का एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं - जिसमें हवाई अड्डे का डिज़ाइन, एयरलाइन प्रबंधन, क्रू रिसोर्स मैनेजमेंट, यात्री अधिकार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और एआई और साइबर सुरक्षा जैसी भविष्य की चुनौतियाँ शामिल हैं। विमानन केवल विमानों और यात्रियों के बारे में नहीं है - यह लोगों, सटीकता और प्रगति के बारे में है। इस पुस्तक के माध्यम से, मैं उड़ान के रहस्यों को उजागर करना चाहता था और पर्दे के पीछे क्या होता है, यह बताना चाहता था - अदृश्य समन्वय, अनुशासन और वे सपने जो हर उड़ान को संभव बनाते हैं, मोहनका ने कहा, जिन्हें सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

ज्यूरिस प्रेस, चेन्नई द्वारा प्रकाशित, Above and Beyond को वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योग जगत के नेताओं से पहले ही उच्च प्रशंसा मिल चुकी है। श्री प्रवीर रंजन, भा.पू.से., अमित गर्ग, भा.पू.से.,और श्री जोस मोहन, भा.पू.से. ने अपनी समीक्षाओं में पुस्तक को एक व्यावहारिक और प्रेरक कृति बताया है जो जटिल विमानन अवधारणाओं को उल्लेखनीय स्पष्टता और संतुलन के साथ सरल बनाती है।

यह पुस्तक अब Amazon और Books Central पर उपलब्ध है, और उम्मीद है कि यह छात्रों, पेशेवरों और विमानन की आकर्षक दुनिया को समझने में रुचि रखने वाले सभी पाठकों के लिए एक मूल्यवान संदर्भ पुस्तक साबित होगी।

(अजय दहिया)
उप महानिरीक्षक
मुख्य जन संपर्क अधिकारी

साढ़े तीन सौ वर्ष प्राचीन मंदिर में हुई गोवर्धन पूजा

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 23 अक्टूबर. दानाओली स्थित निम्बार्क सम्प्रदाय के साढ़े तीन सौ वर्ष प्राचीन गोपीनाथ के मन्दिर में गोवर्धन पूजा पर्व के अवसर पर छप्पन भोग के साथ भगवान गोपीनाथ की महाआरती गोधूलि

गोपीनाथ मंदिर में अन्नकूट के दर्शन एवं प्रसाद वितरण

बेला में आयोजित हुई। आरती के पश्चात दर्शनार्थियों को प्रसादी वितरण एवं ब्राह्मण भोजन करवाया गया। मंदिर के पुजारी पं.गोपाल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि गोपीनाथ का मंदिर उनके पूर्वजों द्वारा लगभग साढ़े तीन सौ वर्ष पूर्व राजस्थान से ग्वालियर में आकर स्थापित किया गया था। सलेमाबाद, राजस्थान में स्थित निम्बार्काचार्य के द्वारा स्थापित की गई भगवान श्रीकृष्ण-

श्री राधाजी की युगल मूर्ति की ही प्रतिकृति के रूप में हमारे पूर्वजों ने भी दानाओली में भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के युगल विग्रह की स्थापना की। मंदिर शिल्प की अद्भुत कृति के रूप में और सर्वमनोकामना पूरी करने की दृष्टि से दानाओली स्थित यह प्राचीन मंदिर बहुत महत्वपूर्ण है।

मंदिर में साल भर होते हैं आयोजन

डॉ.मंदाकिनी शर्मा ने बताया कि मंदिर में वर्षभर में महत्वपूर्ण आयोजन किये जाते हैं जिनमें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी,श्रीराधा अष्टमी,नृसिंह जयंती, कुलदेवता का पूजन,गोवर्धन पूजा अन्नकूट, शरदपूर्णिमा, गंगा दशहरा, निर्जला एकादशी, आँवला नवमी, होली, रंगपंचमी, देवउत्थान एकादशी इत्यादि-इत्यादि।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिये मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा सिटी सेंटर, ग्वालियर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., सिटी सेंटर से मुद्रित. संपादक हरीश दुबे* समाचार संपादक- अनिल शर्मा, फोन-0751-4086200, फैक्स- 2343200 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार डाक पंजीयन क्रमांक 507/2008/ग्वा. RNI Reg. No. 62237/95